an>

Title: Shri Jyotiraditya Scindia made a Personal Explanation regarding certain remarks made about him by Dr. Virendra Kumar, Shri Manohar Utwal and Shri Nand kumar Chauhan.

माननीय अध्यक्ष : ज्योतिरादित्य जी आप दो मिनट में अपनी बात रखें।

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदया, पिछले दो दिनों में इस सदन के अंदर और इस सदन के बाहर वीरेन्द्र कुमार जी और श्री मनोहर उटवाल, ने मेरे विरुद्ध अनर्गल टिप्पणी और गलत वक्तव्य इस सदन में दिया है, नंद कुमार चौहान जी ने भी दिया है। उन्होंने कहा है कि मैंने दलित समाज के विरुद्ध वक्तव्य दिया, उन्होंने कहा है कि सभा स्थल को गंगा जल के साथ धोया गया, यह बिल्कुल गलत... * और निराधार आरोप है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, आज मैं उनको चुनौती देता हूं कि जहां मैं जब जगह पर नहीं हूं, मेरे सामने एक भी घटना नही घटी, न उस सभा स्थल को धोया गया, न कुछ कहा गया, ये लोग आरोप लगाते हैं, पूरे कार्यक्रम का वीडियो रिकॉर्ड है। मैं इनको चुनौती देता हूं कि इनके ऐसे निराधार आरोप, जो इनकी आदत है, मैं इनसे और इनकी पार्टी से स्तब्द्ध हूं।...(व्यवधान) हम सदन में आने के समय शपथ लेते हैं कि हम सच कहेंगे, सच के अलावा कुछ नहीं कहेंगे। मेरी प्रतिष्ठा को, जो मेरी 15 साल की मेरी मेहनत है, मैंने 15 साल मेहनत की है, मैं हर समाज के लिए लड़ा हूं, उस पर ठेस पहुंचाने का कार्य ये लोग कर रहे हैं।

मैं आपसे हाथ जोड़ कर मांग करता हूं कि अगर मैंने कुछ कहा है, अगर मैंने कुछ किया है तो आज मैं इस सदन से त्याग पत्र देने के लिए तैयार हूं लेकिन अगर यह गलत है तो वीरेन्द्र कुमार जी, मनोहर उटवाल जी और नंद कुमार चौहान इस सदन से त्याग पत्र दें। मैं यह मांग करता हूं।

अध्यक्ष महोदया, कम से कम इनको सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी होगी, यह मैं आपसे हाथ जोड़ कर निवेदन करता हूं।

माननीय अध्यक्ष : नाऊ आइटम नम्बर -14, प्रकाश जावड़ेकर जी।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाइए।

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : मेरी प्रतिष्ठा को इन्होंने ठेस पहुंचाई है।...(व्यवधान) मुझे आपकी संरक्षण की जरूरत है। ...(व्यवधान) इस देश में जो लोग दलितों की बात करते हैं।

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

-